695

HD-01

June - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी पद्य भाग–I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper - HD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'पृथ्वीराज रासो' ग्रन्थ के रचयिता कवि का नाम लिखिए।

(ii) संतकाव्य धारा की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।

(iii) कबीर ने माया का स्वरूप कैसा माना हैं?

(iv) जायसी की प्रसिद्ध रचना पद्मावत मध्यकाल की किस बोली (भाषा) में लिखी गई।

(v) सूरदास की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(vi) रीतिकाल के किसी एक प्रसिद्ध कवि का नाम लिखिए।

(vii) परहित सरिस धरम नहीं भाई।
परपीड़ा सम नहीं अधमाई।।
उक्त पंक्ति के रचयिता
कवि का नाम बताइए।

(viii) करुण रस का स्थायी भाव कौनसा है?

(ix) अनुप्रास अलंकार की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।

(x) माधुर्य गुण किसे कहते हैं?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

दूलह श्री रघुनाथ बने,
दुलही सिय सुन्दर मन्दिर माही।
गावति गीत सबै मिली सुन्दरि,
वेद जुवा जुरि विप्र पढ़ाही।।
राम को रूप निहारति जानकी,
कंगन के नग की परछाही।
यातें सबै विधि भूलि गई,
कर टेकि रही पल टारति नाहीं।।

3) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

मोरपखा सिर कानन कुंडल
कुंतल सों छबि गंउनि छाई।
बंक बिसाल रसाल विलोचन,
है दुखमोचन मोहन माई।
आली नवीन महाघन सो तन
पीट घटा ज्यौं पआ बनि आई।
हौं रसखानि जकी सी रही,
कछु टोना चलाई ठगौरी सी लाई।।

4) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न उबरै, मोती मानस चून।।
रहिमन जिह्वा बावरी, कहिगै सरग पताल।
आपु तो कहि भीतर गई, जूति खाती कपाल।।

5) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

अति सूध्यो सनेह को मारग है, जहां नेकु सयापन बांक नहीं।
वहां सांथ चले तजि आपनयौ, झिझकै कपटी जैनिसांक नहीं।।
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ, यहां एक ते दूसरी आंक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़ै हो लला, मन लेहु पै देहु छटांक नहीं।।

6) कृष्ण भक्ति काव्य धारा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7) तुलसीदास की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

8) रीतिकालीन साहित्य के प्रेरक बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।

9) सूरदास के काव्य के भावपक्ष का वर्णन कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) ''रहीम के काव्य में नैतिक मूल्यों की सुन्दर व्यंजना हुई है।'' इस कथन का सोदाहारण विवेचन कीजिए।

11) ''बिहारी के दोहों में भक्ति, नीति और श्रृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित है।'' इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

12) भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए भक्तिकाल की सामान्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

13) टिप्पणी कीजिए। (प्रत्येक 5 अंक)

(i) शब्द–शक्ति

(ii) काव्य में रस का महत्व

(iii) मीराबाई की भक्ति भावना

(iv) पद्मावत का कथानक

———